समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

एयर इंडिया एक्सप्रेस की बेगंलुरु-वाराणसी फ्लाइट मे यंात्री का कॉकपिट तक पहुंचना बना बड़ा विवाद

Sanket Morankar
Published on 22 Sep 2025

भारत की विमानन सुरक्षा एक बार फिर सवालों के घेरे में है। हाल ही में **एयर इंडिया एक्सप्रेस** की बेंगलुरु-वाराणसी फ्लाइट में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। इस उड़ान में एक यात्री किसी तरह **कॉकपिट तक पहुंच गया**, जिससे यात्रियों और चालक दल में हड़कंप मच गया।

यह मामला न केवल यात्रियों के लिए चिंता का विषय बना बल्कि **डीजीसीए (DGCA)** और एयरलाइन प्रशासन के लिए भी सिरदर्द बन गया है।

सूत्रों के अनुसार, यह फ्लाइट सुबह बेंगलुरु से रवाना होकर वाराणसी के लिए निर्धारित थी।

- उड़ान के बीच में अचानक एक यात्री उठकर **क्रू मेबंर को चकमा देते हुए कॉकपिट के दरवाजे तक पहुंच गया।**
- वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों और क्रू ने तुरंत उसे रोक लिया, लेकिन यह सवाल उठ खड़ा हुआ कि आखिर एक सामान्य यात्री इतनी आसानी से कॉकपिट के दरवाजे तक कैसे पहुंच गया ?
- घटना के समय विमान में लगभग **170 से अधिक यात्री** मौजूद थे।

घटना के दौरान यात्रियों में हड़कंप मच गया।

- कुछ यात्रियों ने दावा किया कि **यात्री कॉकपिट मे प्रंवेश करने की कोशिश कर रहा था।**
- वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि यात्री मानसिक रूप से अस्थिर लग रहा था और शायद किसी गलतफहमी में यह कदम उठा बैठा।

एक यात्री ने कहा—
"हम सभी घबरा गए थे। एक पल के लिए लगा कि कहीं यह सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा न हो जाए।"

- फ्लाइट अटेंडेंट्स ने तुरंत **सतर्कता दिखाई** और यात्री को कॉकपिट में घुसने से पहले ही रोक लिया।
- पायलट ने तुरंत कंट्रोल टावर को सूचित किया और पूरी स्थिति पर नजर रखी।
- एयरलाइन के अनुसार, घटना को **संभाल लिया गया** और फ्लाइट सुरक्षित तरीके से वाराणसी पहुंची।

घटना के बाद **डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (DGCA)** ने मामले का संज्ञान लिया है।

- DGCA ने एयर इंडिया एक्सप्रेस से **पूरी रिपोर्ट** मांगी है।
- जांच में यह देखा जाएगा कि कहीं एयरलाइन की ओर से सुरक्षा में **लापरवाही** तो नहीं हुई।
- साथ ही यह भी जांच का विषय है कि यात्री किस तरह **कॉकपिट के इतने करीब** पहुंच गया।

DGCA के एक अधिकारी ने कहा—
"कॉकपिट विमान का सबसे संवेदनशील हिस्सा है। इसमे किसी भी प्रकार की ढील गंभीर परिणाम ला सकती है। जांच पूरी पारदर्शिता के साथ होगी।"

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने बयान जारी कर कहा कि यात्री को तुरंत रोका गया और स्थिति पर नियंत्रण पा लिया गया।

- एयरलाइन ने स्पष्ट किया कि विमान में मौजूद सभी यात्री और चालक दल **पूरी तरह सुरक्षित** थे।
- एयरलाइन ने यह भी कहा कि वह DGCA के साथ **पूरी तरह सहयोग करेगी।**

- विमानन विशेषज्ञों का कहना है कि कॉकपिट की सुरक्षा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार **सर्वोच्च प्राथमिकता** होती है।
- यदि यात्री वहां तक पहुंच गया तो यह सुरक्षा ढांचे में **गंभीर खामी** की ओर इशारा करता है।
- कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी घटनाओं से बचने के लिए **अधिक सतर्क निगरानी और क्रू मेबंर की ट्रेनिंग** की जरूरत है।

एक विशेषज्ञ ने कहा—
"यह घटना भले ही किसी बड़े हादसे मे नंहीं बदली, लेकिन यह विमानन सुरक्षा प्रणाली के लिए चेतावनी है।"

इस घटना ने संसद और सार्वजनिक मंचों पर भी बहस छेड़ दी है।

- कुछ नेताओं ने कहा कि एयरलाइन को यात्रियों की सुरक्षा को लेकर **ज्यादा जिम्मेदारी** दिखानी चाहिए।
- वहीं यात्रियों के संगठनों ने मांग की है कि दोषियों पर **सख्त कार्रवाई** हो और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

- DGCA की रिपोर्ट आने के बाद एयर इंडिया एक्सप्रेस को सुरक्षा मानकों को लेकर **सुधारात्मक कदम** उठाने होंगे।
- संबंधित यात्री की भी **मेडिकल जांच और पूछताछ** की जाएगी ताकि यह समझा जा सके कि उसने ऐसा क्यों किया।

- संभावना है कि DGCA एयरलाइनों को **नई गाइडलाइन** भी जारी करे।

बेंगलुरु-वाराणसी एयर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट की यह घटना भारत की विमानन सुरक्षा व्यवस्था पर **गंभीर सवाल** उठाती है।

- एक यात्री का कॉकपिट तक पहुंचना किसी भी हालत में साधारण लापरवाही नहीं माना जा सकता।
- DGCA और एयर इंडिया एक्सप्रेस दोनों पर जिम्मेदारी है कि वे **सख्त जांच** करें और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उपाय करें।

यात्रियों के लिए सुरक्षा सर्वोपरि है और इस घटना ने यह साफ कर दिया है कि विमानन क्षेत्र में **सुरक्षा से कोई समझौता नहीं हो सकता।**

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.